भूकंप से बचने के लिए क्वालिटी मैन पावर व शोध जरूरी : प्रो. जैन

सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर, 27 अगस्त।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के प्रो. सुधीर कुमार जैन ने देश भर के इंजीनियरिंग कालेज के छात्रों को चेताया कि भूकंप से निपटने के लिए क्वालिटी व वेलट्रेंड मैन पावर की जरूरत है। वे एनआईसीई द्वारा आयोजित 'अर्थक्वेक' इंजीनियरिंग वर्कशोध को सम्बोधित कर रहे थे। इसमें देश के चुनिंदा 26 इंजीनियरिंग कालेजों 70 पीजी छात्र भाग ले रहे हैं।

ग्लोबल वार्मिंग, पर्यावरण असंतुलन और हाल में आए सूनामी के कारण पृथ्वी की भीतरी संरचना व बनावट में परिवर्तन महसूस किया जा रहा है। हिमालय क्षेत्र राज्य प्रति साल भूकंप का कहर झेलते हैं। इसे देखते हुए अर्थक्वेक इंजीनियरिंग पर ध्यान बहुत जरूरी हो गया है।

'Quake engineering literature vital'

HT Correspondent
Kanpur August 27

A SENIOR professor of the Indian Institute of Technology (IIT-K) SK Jain stressed on updating knowledge in the building construction sector.

Inaugurating a 10-day 'Earthquake engineering literature review workshop for postgraduate students from engineering colleges' at the IIT-K here on Monday, Dr Jain said there had been a landmark change in the construction methodology of residential buildings, bridges and other public utility buildings to minimise the effects of earthquakes.

The Council for Scientific and Industrial Research (CSIR), Atomic Energy Regulatory Board, IIT-K and Poonam and Prabhu Goel Foundation has sponsored the ongoing sixth annual workshop here.

He said the students of civil engineering needed to equip themselves with the latest developments in building construction so that they could motivate the builders to construct safer buildings.

Giving important tips for research, Dr Jain said first of all they should have extensive knowledge of their research topic and inculcate original ideas about the research. He discussed the research titles with the research scholars and told them the methods for literature survey.

स्टडी मेटीरियल के लिये इंटरनेट बहुत उपयोगी

● अर्थक्वेक लिटरेचर पर कार्यशाला

कानपुर 27 अगस्त। आई आई टी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा शोधार्थियों के लिये आयोजित कार्यशाला में इस बात पर जोर दिया गया कि इस शाखा का उपयोग समूचे विश्व में बढ़ रहा है रोज नयी नयी तकनीकें विकसित हो रही हैं यदि हमको मुख्य धारा में बने रहना है तो हमें इन सारी तकनीकों को आत्मसात करना होगा तथा दिन प्रति दिन हो रहे आधुनिकीकरण से अपने को अवगत करना होगा।

यह जानकारी आज सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा अर्थक्वेक इंजीनियरिंग लिटरेचर सर्वे पर आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन करते हुये डा सुधीर जैन ने शोधार्थियों को दी। इस छठी कार्यशाला में देश भर के २६ इंजीनियरिंग संस्थानों के ७० पी एच डी तथा एम टेक के छात्रों ने भाग लिया। यहां आने वाले छात्रों में मुख्य रुप से शोधार्थी ही थे। इस अवसर पर इन्हें अपने शोध के लिये स्टडी मेटीरियल एकत्र करने के बारे में बताया गया। उन्होने आगे बताया कि शोध में इंटरनेट का बहुत महत्व है। इस अवसर पर उन्होने अनेकों वेबसाइटों के नाम बताये जो कि इन शोधार्थियों के लिये उपयोगी सिद्व हो सकते है तथा उनसे छात स्टडी मैटीरियल ले सकते हैं। उन्होने बताया कि शोध में मौलिकता होनी चाहिये न कि कही का मैटीरियल कहीं और उपयोग होना चाहिये। इसमें प्रयोग होने वाली तकनीक के बारे में अवगत हुये बिना हम वैश्विक स्तर पर बात नही कर सकते हैं। उन्होने यह भी बताया कि विश्व में सीविल इंजीनियरों की बहुत मांग हैं इसके लिये हमें नित नयी नयी आ रही तकनालोजी के बारे में जानना होगा। इस दौरान सर्वे लिटरेचर के बारे में भी बताया और ज्ञान पाने के तरीकों पर भी विचार किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक डा.के.के बाजपेयी थे।

आईआईटी में कार्यशाला

कानपुर। अर्थक्वेक (भूकंप) इंजीनियरिंग लिटरेचर पर एक कार्यशाला का उद्घाटन आईआईटी के विजिटर्स हॉस्टल के पायनीयर बैच कन्टीन्युइंग एजूकेशन सेंटर में हुआ। उद्घाटन डीन रिसोर्स प्लानिंग एंड जनरेशन प्रोफेसर सुधीर कुमार जैन ने किया। कार्यशला का आयोजन नेशनल इनफोर्मेशन सेंटर ऑफ अर्थक्वेक इंजीनियरिंग की कओर से किया जा रहा है। देश भर के 26 इंजीनियरिंग कॉलेजों के करीब 70 विद्यार्थी कार्यशाला में भाग ले रहे हैं।

भूकंप तकनीक के मूल तत्व बताये

कानपुर, हमारे संवाददाता : भूकंप प्रबंधन का क्षेत्र काफी विस्तृत है और भौगोलिक स्थितियों को देखते हुए इस दिशा में और शोध जरूरी है। यह कहना है भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के अधिष्ठाता प्रो. सुधीर कुमार जैन का।

आईआईटी में नेशनल इंफार्मेशन सेंटर ऑफ अर्थक्वेक इंजीनियरिंग के तत्वावधान में 10 दिवसीय कार्यशाला शुरू हुई। देश भर के 26 विभिन्न तकनीकी संस्थानों से कार्यशाला में हिस्सा लेने आए लगभग 70 प्रतिभागियों को विशेषज्ञों ने भूकंप तकनीक के मूल तत्व बताये।

उद्घाटन मौके पर प्रो. एसके जैन ने कहा अर्थक्वेक इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अनुभवी और क्षमतावान जनशक्ति की जरूरत है। उन्होंने प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण टिप्स दिए और पीएचडी व एमटेक के विषयों के चयन की जानकारी दी।

कार्यशाला में डॉ. हेमंत कौशिक, प्रो. विपिन दत्ता ने भी विचार रखे। स्वागत संयोजक डॉ. केके वाजपेई ने किया।